सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 342 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 18 जनवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

किसी बच्चे की शिक्षा अपने ज्ञान तक सीमित मत रखिये, क्योंकि वह किसी और समय में पैदा हुआ है।

-रविन्द्रनाथ टैगोर

का बा के बाद यूपी का कचरा साफ... 8 | पश्चिमी यूपी में त्रिकोणीय मुकाबले... 3 | कांग्रेस को कोई हरा नहीं सकता... 7

पाबंदियों के बीच अखिलेश ने बदली रणनीति

फ्री बिजली के वादे को जनता तक पहुंचाने को सपा चलाएगी अभियान

» सपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं का करेंगे रजिस्ट्रेशन

» सपा प्रमुख बोले, प्रतिबंधों के हटने के बाद रैलियों की मांगेंगे अनुमति, भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटोः सुमित कुमार

कल से चलेगा सपा का '300 यूनिट बिजली पाओ, नाम लिखाओ छूट न जाओ' अभियान

लखनऊ। कोरोना के चलते चुनाव आयोग द्वारा प्रचार को लेकर लगाई गयी पाबंदियों के बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपनी रणनीति बदल दी है। उन्होंने ऐलान किया कि सपा की सरकार बनने पर प्रदेश की जनता को तीन सौ यूनिट फ्री बिजली देने के वादे को जनता तक पहुंचाने के लिए कल से घर-घर अभियान चलाएंगे। उन्होंने कहा कि सपा ने तीन सौ यूनिट बिजली फ्री देने का फैसला किया है। यूपी के लोगों को भाजपा सरकार में महंगी बिजली मिली। बिल को लेकर कई लोगों पर एफआईआर तक दर्ज की गयी। उन्होंने लोगों से अपील की कि जिनके नाम पर घरेलू बिजली के कनेक्शन हैं उसी नाम को दर्ज कराएं। सपा कल से रजिस्ट्रेशन अभियान चलाएगी। जो लोग तीन सौ यूनिट बिजली फ्री चाहते हैं उनके लिए नाम और फार्म भरने का काम सपा कार्यकर्ता करेंगे। जिनके पास घरेलू कनेक्शन नहीं है और वे भविष्य में कनेक्शन लेने वाले हैं वे आधार कार्ड या राशन कार्ड में दर्ज नाम लिखवाएं।

उन्होंने कहा कि पाबंदियों के कारण बड़ी रैलियां नहीं हो रही हैं। लिहाजा हम अपने वादों के साथ जनता के सामने जा रहे हैं। पाबंदियां हटने के बाद रैलियों की अनुमति मांगी जाएगी तब तक सपा घर-घर जाकर अपनी बात रखेगी। सपा कार्यकर्ता ऑनलाइन और घर-घर जाकर रजिस्ट्रेशन करेंगे। सरकार ने पिछले कुछ महीनों से लोगों को बिजली का बिल नहीं भेजा है क्योंकि अगर बिल भेज दिया तो इनकी जमानत जब्त हो जाएगी। भाजपा ने कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों को आतंकवादी कहा और वोट पाने के लिए कृषि कानून वापस ले लिए। उन्होंने कहा कि विधान सभा में सबसे अधिक अपराधी भाजपा ने पहुंचाए हैं। सांसद और विधायक में मारपीट हुई। इसे सभी ने देखा।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

भाजपा से सभी वर्ग परेशान

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बताए कि उसने 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था फिर किसानों की आय दोगुनी क्यों नहीं हुई? महंगाई के कारण किसानों की हालत खराब हो गयी है। ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ लेकिन किसानों को कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। जनता भाजपा से नाराज है। बेरोजगारी और महंगाई बढ़ गयी है। भाजपा सरकार में सबकुछ बेचा जा रहा है। बैंकों में ब्याज कम हो गया है। नोटबंदी के बाद अर्थव्यवस्था के साथ कई बैंक भी डूब गए। निवेश के नाम पर यूपी में कुछ भी नहीं दिखा।

भाजपा सरकार ने सपा के वरिष्ठ नेताओं पर दर्ज कराए झूठे मुकदमे

सपा की मान्यता रद्द करने को लेकर दर्ज याचिका के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि पहले भाजपा की मान्यता रद्द करें क्योंकि मुख्यमंत्री पर भी आपराधिक मुकदमा दर्ज है। डिप्टी सीएम पर भी मुकदमा है। सपा के कई लोगों पर झूठे मुकदमे हैं। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं पर भी मुकदमे दर्ज हैं। रामपुर आए एक जिलाधिकारी ने खुद के आउट ऑफ टर्न प्रमोशन के लिए मनमाने तरीके से मुकदमे लगाए। उसी कड़ी में नाहीद हसन पर भी मुकदमा दर्ज हुआ है। अब्दुल्ला आजम को फंसाने में कांग्रेस और भाजपा दोनों थी।

केजरीवाल का ऐलान, पंजाब में आप का सीएम चेहरा होंगे भगवंत मान

» 22 लाख लोगों ने मान के पक्ष में दी थी राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मोहाली। पंजाब विधान सभा चुनाव में सांसद भगवंत मान आम आदमी पार्टी का सीएम चेहरा होंगे। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मोहाली में आज इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 22 लाख लोगों ने मान के पक्ष में राय दी है। इस दौरान भगवंत मान की माता हरपाल कौर और उनकी बहन भी मौजूद रहीं।

आज दोपहर में केजरीवाल के ऐलान से पहले ही पूरे शहर में भगवंत मान के पोस्टर लग गए थे। नाम की घोषणा के बाद मंच पर केजरीवाल ने भगवंत मान को गले लगाया। भगवंत मान का जन्म साल 1973 में संगरूर जिले में हुआ था। वह पेशे से कॉमेडियन, एक्टर व राजनेता है। 2011 में उन्होंने राजनीति में एंट्री की थी। इसके बाद वह संगरूर से दो बार लोक सभा चुनाव जीत चुके हैं। लोगों में काफी लोकप्रिय हैं। विधान सभा चुनाव में सीएम चेहरे पर लोहड़ी के दिन आम आदमी पार्टी ने एक नंबर जारी कर लोगों से सीएम चेहरे पर राय मांगी थी।

अब पीएम मोदी ने संभाला मोर्चा

कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

» पूर्वांचल में छठवें और सातवें चरण में होना है मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। यूपी विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोर्चा संभाल लिया है। पीएम ने नमो एप के जरिए अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के करीब दस हजार भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने मुख्य रूप से बूथ अध्यक्षों के साथ चर्चा की और उन्हें जीत का मंत्र दिया। प्रदेश में विधान सभा चुनाव की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री का यह पहला राजनीतिक कार्यक्रम है।

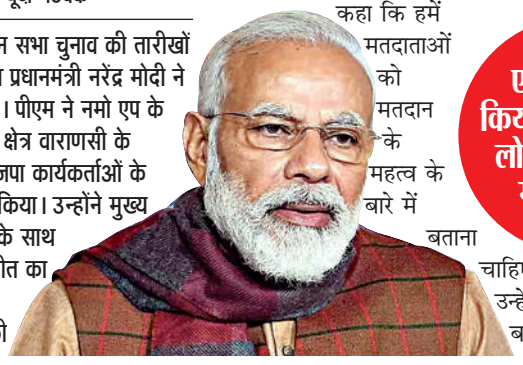

पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हमें मतदाताओं को मतदान के महत्व के बारे में बताना चाहिए। उन्हें बताएं कि हर वोट महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधान सभा चुनावों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि चुनाव अपने आप में एक ट्रेनिंग कैंप होता है। ज्यादातर लोगों को कार्यकर्ता के रूप में हम तैयार कर सकते हैं। हमें लोगों को एक-एक वोट की कीमत समझानी है। हम और योगी जी इसलिए कुछ कर पा रहे हैं क्योंकि जनता ने हमें वोट दिया है। गौरतलब है कि पूर्वांचल में आखिर के दो चरणों छठवें और सातवें में चुनाव होंगे।

नमो एप के जरिए किया संवाद, कहा लोगों को बताए मतदान का महत्व

केशव मौर्य की डिग्री मामले में सुनवाई 3 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव की सरगर्मी चरम पर है। वहीं चुनावी माहौल में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की डिग्री के मामले में तीन फरवरी को सुनवाई होगी। अर्जी में एसीजेएम प्रयागराज के चार सितंबर 2021 को पारित आदेश को चुनौती दी गई है। मजिस्ट्रेट के समक्ष फर्जी डिग्री की शिकायत करते हुए एफआईआर दर्ज कराने का आदेश जारी करने की मांग की गई थी। इस पर मजिस्ट्रेट ने अर्जी खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट में इसी आदेश को चुनौती दी गई है। याची का आरोप है कि हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज की प्रथमा, मध्यमा, विशारद डिग्री हाईस्कूल के समकक्ष मान्य नहीं है। केशव प्रसाद मौर्य ने इस डिग्री के आधार पर आगे की शिक्षा ग्रहण की है। इसलिए इस पूरे मामले की सही तरीके से जांच की जाए।

बीजेपी सरकार ने पिछड़ों और दलितों का आरक्षण लूटा : राजभर

» लाखों नौजवान बेरोजगार हैं यह गलती भाजपा को नहीं दिखती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश समेत 5 राज्यों में चुनाव का माहौल है। तारीख का ऐलान हो चुका है। उत्तर प्रदेश में चुनाव मुख्यत: समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच ही माना जा रहा है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी ने सपा पर आरोप लगाया कि जिस जमाने में समाजवादी पार्टी की सरकार थी उस वक्त हर भर्ती में सिर्फ यादव ही पाए जाते थे लेकिन भाजपा की सरकार में ऐसा नहीं है। इसके जवाब में गठबंधन के नेता ओमप्रकार राजभर ने बीजेपी से पूछा कि आप की ही सरकार में लाखों नौजवान बेरोजगार है, यह गलती क्या विपक्ष की है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने पिछड़ों व दलितों का आरक्षण लूटा, इस पर क्यूं नहीं बोलते। क्या समाज में सिर्फ बीजेपी को ही जीने का अधिकार है। वहीं आजाद पार्टी के चीफ चंद्रशेखर आजाद को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि अभी पहले चरण का चुनाव हुआ है। टिकट बंटने के बाद चंद्रशेखर आजाद ने प्रयास शुरू किया। अभी तो 6 चरणों का चुनाव बाकी है, मैं अखिलेश यादव से बात करुंगा। अगर सीट का कोई मामला है, तो पूर्वांचल से लेकर मंध्याचल तक सीटों का वितरण अभी नहीं हुआ है, एक-दो सीट सबसे कम करके चंद्रशेखर आजाद को साथ में ले लिया जाए। बता दे कि इससे पहले उत्तर प्रदेश की सियासी लड़ाई में समाजवादी पार्टी और आजाद पार्टी ने अपनी अलग-अलग राह चुन ली है। पहले अटकले थीं कि भीम आर्मी के मुखिया चंद्रशेखर सपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं कि लेकिन चंद्रशेखर ने पीसी कर कहा कि यूपी चुनाव में सपा और आजाद पार्टी का गठबंधन नहीं होगा और अखिलेश यादव को दलितों की जरूरत नहीं है। उन्होंने अपने दम पर चुनाव लड़ने की बात कही। इस पर राजभर ने कहा कि तीन दिन पहले चंद्रशेखर की तरफ से संदेश आया था कि किसी तरीके से गठबंधन में शामिल करा दें। उनके लिए 3 सीट और एक एमएलसी पर बातें हुई थी। साथ ही सरकार बनने पर उन्हें मंत्री बनाने का वादा था, लेकिन उन्होंने तोड़ दिया।

योगी के एक और मंत्री के इस्तीफे का मैसेज वायरल

» बसपा में शामिल होने की भी खबर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले नेताओं ने पाला बदलना शुरू कर दिया है। सत्ताधारी पार्टी बीजेपी को यूपी में एक के बाद एक बड़े झटके लग रहे हैं। इसी बीच योगी सरकार में राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल का इस्तीफा देकर बसपा में जाने का मैसेज भी खूब वायरल हो रहा है। हालांकि उन्होंने इन खबरों का खंडन किया है। कानपुर देहात की सिकंदरा सीट से विधायक और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विकास राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल के बीजेपी छोड़कर बसपा में जाने की खबरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं।

वहीं, जब इन खबरों को लेकर अजीत सिंह पाल से पूछा गया तो उन्होंने इन्हें गलत बताया और कहा कि ये झूठी और भ्रामक खबरें हैं। इतना ही नहीं अजीत सिंह पाल ने ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि मैं बीजेपी परिवार का सक्रिय सदस्य हूं। मैं मंत्री और विधायक रहते हुए अपने दायित्व का पालन कर रहा हूं। मेरे खिलाफ सोशल मीडिया पर पार्टी और मेरी छवि को धूमिल करने के लिए भ्रामक खबरें चलाई जा रही हैं। ये मेरे और पार्टी के सम्मान के लिए अत्यंत कष्टदायक हैं. उन्होंने भ्रामक खबरें वायरल करने के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इससे पहले भी जिले से बीजेपी महिला विधायक प्रतिभा शुक्ला का पार्टी छोड़ने का मैसेज वायरल हुआ था, तो उन्होंने ने भी अपना बयान जारी कर विपक्ष पर आरोप लगाया था। बीजेपी में इन दिनों इस्तीफों का दौर चल रहा है। हाल ही में स्वामी प्रसाद मौर्य और दारा सिंह समेत तीन कैबिनेट मंत्रियों ने इस्तीफा दिया था।

यूपी में बीजेपी की हार होगी सबसे बड़ी आजादी : महबूबा

» पीडीपी प्रमुख बोलीं- बीजेपी से छुटकारा 1947 से बड़ी आजादी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भाजपा पर हमला बोला है। कहा कि यूपी में भाजपा से छुटकारा 1947 की तुलना में बड़ी आजादी होगी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं इसलिए भाजपा औरंगजेब और बाबर को याद कर रही है। भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसते हुए आदिवासी युवा सम्मेलन में महबूबा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस पार्टी से छुटकारा पाना 1947 से बड़ी आजादी होगी।

क्योंकि ये लोग देश को बांटना चाहते हैं। अगर उन्होंने विकास का वादा किया है तो उत्तर प्रदेश में विकास दिखाएं। महबूबा मुफ्ती ने रूपनगर में जनजातीय वर्ग के लोगों के घरों को बिना नोटिस दिए तोड़े जाने की घटना पर भाजपा को निशाने पर लिया है। इस दौरान कहा कि गरीबों की दुश्मन भाजपा सरकार का कोई मानवीय चेहरा नहीं है। पार्टी नेताओं के साथ रूप नगर में धरना स्थल पर पहुंचकर महबूबा मुफ्ती ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समर्थन दिया है। इसके साथ ही उपराज्यपाल से जिनके घर बिना नोटिस के तोड़े गए हैं उन्हें फिर से उस स्थान पर घर बनाकर देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भाजपा के इशारे पर प्रशासन एकतरफा कार्रवाई कर रहा है। भाजपा के नेताओं के अवैध निर्माण पर प्रशासन चुप्पी साधे बैठा है, जबकि गरीबों के घरों को तोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता के लिए हिंदू-मुस्लिम के बीच नफरत पैदा करती है।

उत्तराखंड कांग्रेस में गुटबाजी जैसी कोई बात नहीं : गोदियाल

» हरक एपिसोड पूरा होने के बाद ही टिकटों की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस में अब टिकटों की घोषणा हरक एपिसोड के पूरा होने के बाद ही होगी। पार्टी सूत्रों की मानें तो जब तक इस प्रकरण का पटाक्षेप नहीं हो जाता, तब तक टिकटों की घोषणा मुश्किल है। इधर पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी ने फंसी हुई सीटों पर एक बार फिर मंथन बैठक कर पैनल तैयार कर लिए हैं, जिन्हें केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) को सौंपा जाएगा। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बताया कि करीब 35 सीटों पर सहमती नहीं बन पा रही थी। ज्यादातर सीटों पर सहमति बन गई है।

12 से 15 सीटों पर दो से तीन नामों के पैनल तैयार कर लिए गए हैं। सीटों पर आखिरी फैसला सीईसी को ही करना है। सीटों को लेकर गुटबाजी के सवाल पर गोदियाल ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। बैठक बेहद ही सौहादपूर्ण माहौल में हुई है। जब पार्टी की सूची बाहर आएगी तो सबको पता चल जाएगा कि पार्टी में गुटबाजी जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा सीईसी की पिछली बैठक में राहुल गांधी ने इतना जरूर कहा था कि जिन सीटों पर आप लोग सहमति नहीं बना पा रहे हैं, उन्हें मेरिट के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर सीईसी को सौंप दिया जाए। इन पर सीईसी खुद फैसला ले लेगी। गोदियाल ने कहा एक-दो दिन के भीतर पार्टी पहली सूची जारी कर देगी। दूसरी तरफ पार्टी सूत्रों का कहना है कि अब जब तक हरक प्रकरण नहीं सुलझ जाता, तब तक टिकटों की घोषणा मुश्किल है। पार्टी भाजपा की रणनीति को भी समझने का प्रयास कर रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

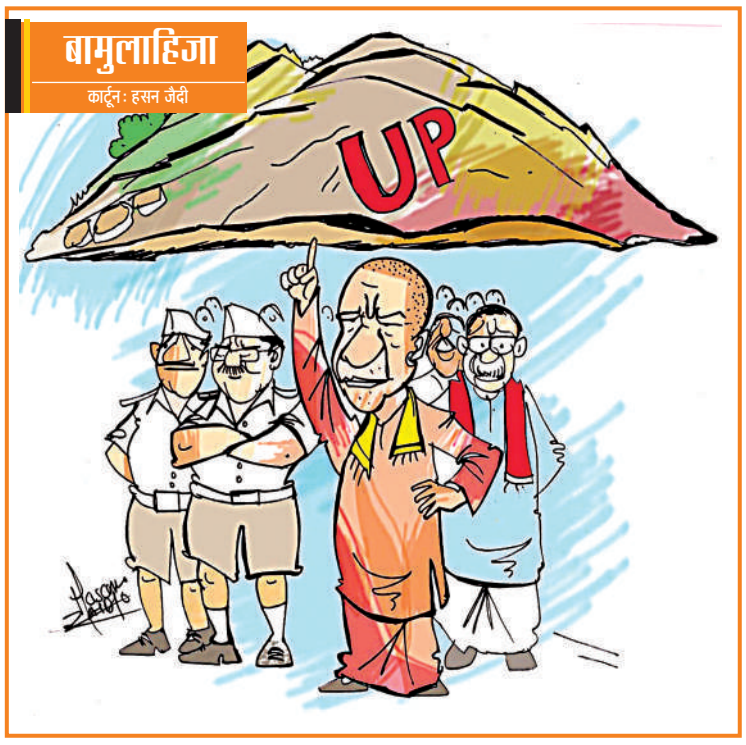

बेटे को टिकट नहीं मिला तो भाजपा नेता कठेरिया का सभी पदों से इस्तीफा

» आगरा से बीजेपी के पूर्व सांसद ने उच्च नेतृत्व से जताई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इस्तीफों का दौर तेज हो गया है। अब आगरा से पूर्व सांसद प्रभु दयाल कठेरिया ने प्रदेश उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद के पदों से इस्तीफा दे दिया है। तीन बार के सांसद प्रभु दयाल कठेरिया अपने बेटे के लिए टिकट मांग रहे थे लेकिन टिकट नहीं मिला तो उन्होंने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया।

इतना ही नहीं, प्रभु दयाल कठेरिया के बेटे अरुण कांत ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उधर, प्रभु दयाल कठेरिया ने बेटे को आप के टिकट से चुनाव लड़ाने का ऐलान किया। बताया जा रहा है कि कठेरिया ने अपने बेटा का नामांकनपत्र भी दाखिल कराया है। हालांकि, प्रभु दयाल कठेरिया ने कहा, वे पार्टी के सदस्य बने रहेंगे। दरअसल, कठेरिया लंबे वक्त से अपने बेटे अरुण कांत के लिए आगरा ग्रामीण विधानसभा सीट से टिकट मांग रहे थे। पार्टी ने जैसे ही उम्मीदवारों का ऐलान किया और उसमें कठेरिया के बेटे को टिकट नहीं मिला, तो वे नाराज हो गए और सभी पदों से इस्तीफा दे दिया. प्रभु दयाल कठेरिया ने साल 2012 , 2014 और 2017 में अपने लिए टिकट मांगा था। इस सीट से बीजेपी ने बेबी रानी मौर्य को टिकट दिया है। मीडिया से बात करते हुए पूर्व सांसद प्रभु दयाल कठेरिया ने कहा कि वह भाजपा के सदस्य बने रहेंगे लेकिन किसी पद पर काम नहीं करेंगे। उधर, आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष ने पुष्टि की है कि प्रभु दयाल कठेरिया के बेटे अरुण कांत पार्टी की टिकट पर आगरा ग्रामीण विधानसभा सीट से प्रत्याशी होंगे। पार्टी पदों से इस्तीफा देने का ऐलान करते हुए प्रभु दयाल कठेरिया ने कहा, जुल्म करने वाले से ज्यादा जुल्म सहने वाला गुनहगार होता है।

पश्चिमी यूपी में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार, एम फैक्टर दिखाएगा असर

» ओवैसी और बसपा ने उतारे मुस्लिम प्रत्याशी, सपा-रालोद से मुकाबला

» बसपा दलित-मुस्लिम गठजोड़ के सहारे चुनावी नैया पार करने की तैयारी में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद सभी दलों ने अपने-अपने समीकरण सेट करने शुरू कर दिए हैं। भाजपा और सपा गठबंधन के अलावा ओवैसी और बसपा प्रमुख मायावती ने पश्चिमी यूपी को लेकर अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा करनी शुरू कर दी है। फिलहाल पश्चिमी यूपी की काफी सीटों पर मुस्लिम फैक्टर हावी है। बसपा और सपा-रालोद गठबंधन ने काफी मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। कई सीटें ऐसी हैं जहां सपा व बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उतार दिए हैं। रही-सही कसर ओवैसी की पार्टी ने पूरी कर दी है। उनकी पार्टी ने नौ सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवारों की घोषणा की है। ऐसे में वोटों का बंटवारा तय है।

बसपा प्रमुख मायावती ने 53 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इसमें से 14 सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी उतारे गए हैं। बसपा ने बुढ़ाना, चरथावल, खतौली, मीरापुर, सिवालखास, मेरठ दक्षिण, छपरौली, लोनी, मुरादनगर, धौलाना, हापुड़, गढ़ मुक्तेश्वर, शिकारपुर, कोल तथा अलीगढ़ में मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। बसपा दलित-मुस्लिम समीकरण बनाकर अपनी राहें आसान करने की रणनीति अपना रही है। इन सभी मुस्लिम बहुल सीटों पर सपा-रालोद गठबंधन भी मजबूती से ताल ठोक रहा है। गठबंधन की उम्मीदें भी मुसलमानों पर टिकी हुई हैं। मुस्लिम-जाट समीकरण के सहारे गठबंधन खुद को मजबूत करने की तैयारी में हैं। जातीय समीकरणों के लिहाज से गठबंधन के लिए चिंता की बात यह है कि इन सीटों पर यादव उतनी भारी संख्या में नहीं हैं। चरथावल से सपा ने पंकज मलिक पर दांव लगाया है। सपा को लग रहा है कि जाट और मुस्लिम समीकरण यहां रंग ला सकता है। वहीं, बसपा ने पूर्व मंत्री सईदुज्जमा के बेटे सलमान सईद को यहां से टिकट दे दिया है। वे कांग्रेस छोड़कर बसपा में शामिल हुए हैं। ऐसे ही समीकरण खतौली सीट पर भी बन रहे हैं। यहां से रालोद ने राजपाल सिंह सैनी को चुनावी रण में उतारा तो बसपा ने माजिद सिद्दीकी को उतार दिया। मीरापुर से रालोद ने चंदन चौहान को टिकट दिया है पर यहां भी बसपा ने मोहम्मद शालिम को टिकट दिया है। मीरापुर में मुस्लिमों की खासी संख्या है। ऐसे में यहां भी बंटवारे के आसार बढ़ गए हैं। मेरठ की सिवालखास सीट पर बसपा ने मुस्लिम उम्मीदवार नन्हे प्रधान को टिकट दिया है तो ओवैसी की पार्टी ने भी सिवालखास से मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में उतार दिया है।

यहां भी मुस्लिम उम्मीदवार

मेरठ की दक्षिण सीट पर बसपा ने कुंवर दिलशाद को मैदान में उतारा है। बताया जा रहा है कि सपा ने भी अपने पुराने मुस्लिम प्रत्याशी को हरी झंडी दे दी है। ऐसे में यहां दोनों के मुस्लिम उम्मीदवार सामने आ सकते हैं। दोनों मुस्लिम उम्मीदवार आने से भाजपा के खेमे में सुकून का माहौल है। अलीगढ़ में सपा और बसपा दोनों के ही मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में हैं। भाजपा ने अभी अलीगढ़ सीट पर अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।

ओवैसी की पार्टी ने उलझाया गणित

बसपा ने लोनी से हाजी आकिल चौधरी को मैदान में उतारा है। यहां ओवैसी की पार्टी ने डॉ. महताब को टिकट दिया है, जबकि रालोद से गुर्जर प्रत्याशी मदन भैया मैदान में हैं। धौलाना सीट पर भी वोटों के बंटवारे की पृष्ठभूमि तैयार हो गई है। यहां पिछले चुनाव में बसपा से असलम चौधरी लगभग साढ़े तीन हजार वोटों से चुनाव जीते थे। इस बार वे सपा से चुनावी मैदान में उतरे हैं। बसपा ने यहां से मुस्लिम प्रत्याशी वासिद प्रधान को टिकट दिया है। ओवैसी ने भी धौलाना सीट से हाजी आरिफ पर दांव लगा दिया है। उधर, भाजपा ने यहां धर्मेश तोमर पर दांव लगाया है। अलीगढ़ की कोल सीट पर भी यही गणित है। यहां से बसपा ने मोहम्मद बिलाल और सपा ने सलमान शाहिद को टिकट दिया है। किठौर सीट पर सपा के शाहिद मंजूर मैदान में आए हैं तो ओवैसी की पार्टी से भी मुस्लिम उम्मीदवार ने ताल ठोका है। बेहट भी ऐसी सीट है, जहां पिछली बार हार-जीत का अंतर पांच हजार वोटों से कम रहा था। यहां से ओवैसी ने अपना प्रत्याशी इस बार उतार दिया है।

उत्तराखंड चुनाव : टिकटों को लेकर दिल्ली से देहरादून तक सियासी माहौल गरम

» 20 जनवरी तक भाजपा प्रत्याशियों की पहली सूची आने की संभावना

» कांग्रेस में लगभग 50 सीटों पर बन चुकी है सहमति

» दोनों राष्ट्रीय दलों में 20 से 25 सीटों पर फंसा हैं पेंच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तराखंड में भाजपा और कांग्रेस के टिकटों को लेकर दिल्ली से देहरादून तक सियासी माहौल गरम है। भाजपा और कांग्रेस अपने-अपने संभावित प्रत्याशियों की सूची आलाकमान को भेज चुके हैं। दिल्ली में भाजपा केंद्रीय नेतृत्व और कांग्रेस की बैठकों का दौर देर रात तक जारी था। हालांकि केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक अभी नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों में ही करीब 50 सीटों पर तो प्रत्याशियों को लेकर सहमति बन चुकी है। 20 से 25 सीटें ऐसी हैं, जिन पर ऊहापोह की स्थिति है।

लिहाजा दिल्ली में होने वाली भाजपा-कांग्रेस की बैठक में भी इन्हीं सीटों पर खास फोकस रहा। अब भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड की बैठक 19 जनवरी को होनी है, जिसमें प्रत्याशी तय होने की उम्मीद है। यह भी उम्मीद जताई जा रही है कि 20 जनवरी तक भाजपा के प्रत्याशियों की पहली सूची जारी हो जाएगी। उधर कहा जा रहा है कि भाजपा, कांग्रेस के नेताओं के साथ ही कई दावेदार भी दिल्ली रवाना हो चुके हैं। कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत, उमेश शर्मा काऊ भी दिल्ली में हैं। कांग्रेस के कई दावेदार भी पार्टी मुख्यालय पहुंच चुके हैं। कयास लगाए जा रहे है कि बीजेपी से नाराज हरक सिंह रावत कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। उत्तराखंड कांग्रेस के उम्मीदवारों की घोषणा फिलहाल तीन-चार दिन और टल गई है। नेतृत्व ने उत्तराखंड की सभी विधान सभा सीटों पर उम्मीदवार एक साथ उतारने का फैसला किया है। करीब 50 सीटों पर उम्मीदवारी लगभग तय हो गई है। अभी भी 18 फंसी हुई सीट जहां दावेदारों के बीच घमासान है और फैसला केंद्रीय नेतृत्व को ही लेना है। वहीं पार्टी की ओर से अभी हरीश रावत को भी हरी झंडी नहीं मिली है। विवाद में उलझे किशोर उपाध्याय पर भी नेतृत्व को निर्णय लेना है। सूत्रों के मुताबिक गढ़वाल की आठ और कुमाऊं की दस सीटों पर अभी कांटे की टक्कर है लिहाजा केंद्रीय नेतृत्व पर निर्णय छोड़ा गया है।

कांग्रेस के प्रत्याशियों पर मंथन शुरू

कांग्रेस ने भी सभी सीटों के लिए पैनल की सूची आलाकमान के पास पहुंचा दी है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस में भी करीब 20 से 22 सीटें ऐसी हैं, जिन पर निर्णय लेने में माथापच्ची करनी पड़ रही है। रविवार को पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होनी थी लेकिन रद्द हो गई। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली में ही आपस में इन सीटों पर प्रत्याशियों को लेकर चर्चा की है। अब पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक है, जिसके बाद ही केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होने की उम्मीद है। बहरहाल, कांग्रेस में भी अभी टिकटों के लिए दो से तीन दिन का इंतजार जारी रहेगा।

“ पहले केंद्रीय नेताओं के साथ बैठक में पैनल पर चर्चा होगी। इसके बाद केंद्रीय पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक में प्रत्याशियों के नाम तय होंगे। किसे कहां से प्रत्याशी बनाया जाएगा, यह कहना मुश्किल है।

–मदन कौशिक, प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा

“ स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक दोबारा होगी। इसके बाद कमेटी अपनी रिपोर्ट केंद्रीय चुनाव समिति को सौंपेगी। हरीश रावत चुनाव लड़ सकते हैं। टिकटों के नाम पर उच्च नेतृत्व ही फैसला करेगा।

–गणेश गोदियाल, प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस

पहले आप-पहले आप के चक्कर में बीजेपी-कांग्रेस

चुनाव में प्रत्याशियों की सूची पर बगावत के सुर हावी नजर आ रहे हैं। एक ओर जहां भाजपा से कई विधायकों के टिकट कटने की चर्चा है तो दूसरी ओर कांग्रेस में भी कई सीटों पर दावेदारों को टिकट न मिलने पर बगावत की आशंका है। लिहाजा दोनों ही दल अपनी पहली सूची जारी करने को लेकर पहले आप-पहले आप की स्थिति में हैं ताकि बगावत को भुनाया जा सके।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महामारी के बीच बच्चों की शिक्षा

कोरोना काल में सबसे अधिक प्रभावित बच्चों की पढ़ाई हुई है। वे घरों में कैद हैं और स्कूली शिक्षा व्यवस्था चरमरा चुकी है। बच्चों को संक्रमण से बचाने के लिए राज्य सरकारों ने स्कूलों को बंद कर दिया है और ऑनलाइन शिक्षा देने का निर्देश दिया है। बावजूद इसके सभी बच्चे इस सुविधा का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। गांव और गरीबों के बच्चों के पास ऑनलाइन शिक्षा के लिए न तो लैपटॉप हैं न ही स्मार्ट फोन।

पिछले दो सालों से कोरोना ने पूरी दुनिया में कोहराम मचा रखा है। भारत भी इसकी चपेट में है और यहां तीसरी लहर पूरे रफ्तार से दौड़ रही है। रोजाना ढाई लाख से अधिक लोग कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट की चपेट में आ रहे हैं। इसका सबसे अधिक असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। इन दो सालों के बीच कुछ महीनों को छोड़ दें तो बच्चे घरों में कैद होकर रह गए हैं और ऑनलाइन शिक्षा ही एकमात्र सहारा है। वहीं विशेषज्ञों के मुताबिक स्कूल नहीं जा पाने के कारण बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। वे चिड़चिड़े और एकाकी महसूस करने लगे हैं। सवाल यह है कि आखिर बच्चे कब तक पहले की तरह स्कूलों में पढ़ाई कर सकेंगे? दो से 14 साल तक के बच्चों को वैक्सीन लगाने की शुरूआत अभी तक क्यों नहीं हो सकी है? क्या सरकार के पास बच्चों को स्कूल में शिक्षा देने की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है? क्या बच्चों पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव उनके व्यक्तित्व को कमजोर नहीं कर देंगे? क्या साधन विहीन बच्चों तक ऑनलाइन शिक्षा पहुंचाने की कोई व्यवस्था की गयी है?

कोरोना काल में सबसे अधिक प्रभावित बच्चों की पढ़ाई हुई है। वे घरों में कैद हैं और स्कूली शिक्षा व्यवस्था चरमरा चुकी है। बच्चों को संक्रमण से बचाने के लिए राज्य सरकारों ने स्कूलों को बंद कर दिया है और ऑनलाइन शिक्षा देने का निर्देश दिया है। बावजूद इसके सभी बच्चे इस सुविधा का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। गांव और गरीबों के बच्चों के पास ऑनलाइन शिक्षा के लिए न तो लैपटॉप है न ही स्मार्ट फोन। ऐसी स्थिति में उनकी शिक्षा पूरी तरह ठप हो गयी है। गांव में रहने वाले बच्चों की स्थिति सबसे अधिक खराब है। हैरानी की बात यह है कि महामारी के दो साल बाद भी अभी तक बच्चों का वैक्सीनेशन नहीं शुरू हो सका है। वहीं दूसरी ओर विशेषज्ञों ने तीसरी लहर में सबसे अधिक बच्चों के संक्रमित होने की आशंका जाहिर की है। इसने अभिभावकों को भी डरा दिया है और वे अपने बच्चों को स्कूल खोले जाने के बाद भी भेजने को तैयार नहीं हैं। फिलहाल यूपी समेत कई राज्यों ने स्कूलों को बंद कर दिया है। इससे स्कूली शिक्षा बेपटरी हो चुकी है। स्कूलों के बंद होने के कारण बच्चों का मानसिक और शारीरिक दोनों ही स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। वे केवल मोबाइल और लैपटॉप तक सिमट गए हैं। शारीरिक गतिविधियों में भाग नहीं लेने के कारण वे तनाव में हैं। सरकार को चाहिए कि वह शिक्षा की ऐसी व्यवस्था करे जिससे बच्चों को स्कूल जैसा माहौल मिल सके और वे सामान्य जीवन जी सकें। वहीं कोरोना टीकाकरण जल्द शुरू किया जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गांव को तीर्थ बनाने की जरूरत

अशोक भगत

दो वर्षों से जारी कोविड-19 महामारी के दौरान समूची दुनिया में दैत्याकार पूंजी पर आरूढ़ उत्पादन और बाजार की व्यवस्थाएं धराशायी हुई हैं। स्पष्ट रूप से जहां एक ओर सेवा, उद्योग, निर्माण आदि विभिन्न क्षेत्रों में भारी अवसाद की स्थिति है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक प्रगति की दर हमें चौंका देती है। हमारे देश के कृषि क्षेत्र ने महामारी के इस दौर में बहुत अच्छा परिणाम दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कोरोना काल में भारतीय अर्थव्यवस्था को यदि किसी क्षेत्र ने बल दिया है तो वह गांव और खेती-किसानी ही है। इस काल में अकेले कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर चार प्रतिशत से ऊपर रही है। हालांकि पूंजी केंद्रीकरण के सिद्धांतकारों ने उद्योग, सेवा, विनिर्माण आदि क्षेत्रों के लिए एक नया रास्ता भी निकाला है तथा मानव श्रम के स्थान पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लागू करने की प्रक्रिया प्रारंभ की है लेकिन यह समझना जरूरी है कि वह रास्ता मानव सभ्यता के लिए भस्मासुर साबित होनेवाला है।

ऐसे में हमें यह सोचना होगा कि किसे सहेजना है और किसे खारिज कर देना है। आज की इस विकट परिस्थिति में अपने देशी चिंतन ने बेहद प्रभावशाली परिणाम प्रस्तुत किया है। महामारी के दौरान शहरों से वापस गांव लौट आये करोड़ों लोगों को गांवों और हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था ने संभाला, इसलिए हमें गांव पर केंद्रित आर्थिक चिंतन को विकास की अवधारणा के साथ जोड़ना चाहिए। महात्मा गांधी का ग्राम स्वराज, राम मनोहर लोहिया का चक्रीय विकास और पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय- ये तीनों चिंतन सभ्यता के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए विकास में हिस्सेदारी की बात करते हैं। ये तीनों भारतीय चिंतन बड़े पूंजी निवेश का विरोध करते हैं और गांवों को निगलनेवाले शहरीकरण की अवधारणा को खारिज करते हैं। ये तीनों चिंतन मानवता व मानवीय मूल्य पर आधारित विकास की वकालत करते हैं। हालांकि इन दिनों पूरी दुनिया में प्रकृति और पर्यावरण बचाओ अभियान चल रहा है लेकिन इसके मूल में भी प्रकृति के खिलाफ संघर्ष का चिंतन ही काम कर रहा है। इन दिनों इसी प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण के सिद्धांत से गांव, जंगल, पानी, हवा आदि को बचाने का एक नया फैशन चला है। इस फैशन की पश्चिमी अवधारणा ने ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना प्रारंभ किया है लेकिन इस पर्यटन में भी वही सब हो रहा है, जो आमतौर पर मौज-मस्ती के लिए घूमनेवाले करते रहे हैं। इसके कारण शहर की

भद्दी संस्कृति ग्रामीणों को भी बर्बाद करने लगी है। इसके उदाहरण गोवा, एर्नाकुलम और पंजाब आदि क्षेत्रों में देखे जा सकते हैं। हमें यह गांठ बांध लेना होगा कि गांव, जंगल, जमीन, हवा, पानी, जानवर एवं खेती को बचाये बिना प्रकृति एवं पर्यावरण को बचाने की बात करना बेमानी है। यह केवल नारा बन कर रह जायेगा और इसका लाभ भी पश्चिमी जमात के छद्म प्रकृति संरक्षकों को ही मिलेगा।

अगर हमें अपने को जीवित रखना है, तो ग्राम्य तीर्थ की अवधारणा पर गांव को विकसित करना होगा। भारत में लगभग सात करोड़ गांव हैं। इनमें से हर गांव की अपनी विशेषता है। गांव चाहे किसी भी जाति और धर्म का हो, वहां कोई न कोई धार्मिक ऊर्जा का अपना एक केंद्र जरूर होता है। इसके साथ गांव में जो पारंपरिक ज्ञान मौजूद है, वह भी ऊर्जा एवं संसाधन का एक बड़ा स्रोत है, कृषि, हस्तशिल्प, आयुर्वेद, पशु एवं प्राकृतिक वनस्पति आदि आयामों को सुव्यवस्थित कर गांव को यदि तीर्थ के रूप में विकसित किया जाए तो इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था तो मजबूत होगी ही,साथ ही हमारी ऋषि व कृषि वाली संस्कृति का भी संरक्षण होगा। इसे विकसित करने में सरकार को बहुत ज्यादा मशक्कत करने की जरूरत नहीं होगी। इस दिशा में विकास के लिए हमें दो-तीन तरह के पेशेवरों की आवश्यकता पड़ेगी। पहली बात यह है कि गांव में अनुशासन और शांति का वातावरण होना चाहिए। हम सभी यह जानते हैं कि इन दिनों गैरकानूनी, राष्ट्रद्रोही व समाज विरोधी काम गांवों में भी बहुत होने लगे हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए अवकाश प्राप्त सैनिकों को गांवों में शांति व अनुशासन स्थापित करने तथा उन्हें बनाये रखने का दायित्व सौंपा जाना चाहिए। दूसरी गांव के जो पेशेवर शहर में रह कर दूसरों के लिए सेवा उपलब्ध करा रहे हैं, उन्हें गांव की ओर वापस जाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। तीसरी ग्रामीण क्षेत्र के सभी स्थानीय निकायों को उनके सभी संवैधानिक अधिकार प्रदान किया जाना चाहिए। ऐसा हो गया तो भारत के गांव तीर्थ बन जायेंगे तथा इससे प्रकृति व पर्यावरण का संरक्षण भी होगा। सबसे बड़ी बात कि गांवों के तीर्थ बनते ही बड़ी संख्या में पर्यटक भी ग्रामीण क्षेत्रों की ओर आकर्षित होंगे और पूंजी बहाव गांवों में होगा।

अर्थव्यवस्था में तरक्की के दौर से बढ़ा उद्योग जगत का हौसला

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा हाल ही में संपन्न किए गए एक सर्वे में यह तथ्य है कि देश में लगभग समस्त उद्योग क्षेत्र अब अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं क्योंकि ये उद्योग अपनी उत्पादन क्षमता का 70 प्रतिशत से अधिक उपयोग कर रहे हैं। टेक्सटाइल, पेट्रोकेमिकल एवं बिल्डिंग मटेरियल उद्योग अपनी लगभग पूरी उत्पादन क्षमता का उपयोग करने की स्थिति में पहुंच गया है। सर्वे में 70 प्रतिशत उद्योगपतियों ने बताया है कि आर्थिक गतिविधियों के वातावरण में तेजी से सुधार हो रहा है अत: वे आने वाले दो से तीन वर्षों के दौरान अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार करने के बारे में गंभीरता से विचार कर रहे हैं एवं इस संबंध में उनके द्वारा योजनाएं बनाई जा रही हैं।

लगभग दो वर्षों के दौरान कोरोना महामारी के काल में मार्च 2020 के बाद से भारतीय बैंकों द्वारा प्रदान की जा रही ऋणराशि में वृद्धि दर बहुत कम हो गई थी। परंतु, अब 17 दिसम्बर 2021 को समाप्त अवधि में, समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रदान की गई ऋणराशि में 7.3 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर दर्ज की गई है। यह कोरोना के पूर्व के काल में दिसम्बर 2019 को समाप्त अवधि के 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर से कुछ कम है। इसके ठीक विपरीत बैंकों की जमाराशि में वृद्धि दर जो मार्च 2021 में 12.3 प्रतिशत थी वह दिसम्बर 2021 में घटकर 9.5 प्रतिशत हो गई है। ऋणराशि में हो रही तेज वृद्धि के चलते इन बैंकों का ऋण, जमा अनुपात भी 17 दिसंबर 2021 को बढ़कर 71.3 प्रतिशत हो गया है जो 13 अगस्त 2021 को 69.9 प्रतिशत था। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि 24 सितम्बर 2021 से 17 दिसम्बर 2021 के बीच की अवधि में वार्षिक ऋण-जमा अनुपात बढ़कर 133 के स्तर पर पहुंच गया है जोकि वित्तीय वर्ष 2021-22 की प्रथम अर्धवार्षिक अवधि के दौरान केवल 2 के स्तर पर रहा था। इस अवधि में बैंकों द्वारा दी गई ऋणराशि में 3.5 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है। लगभग सभी क्षेत्रों में ऋणराशि की मांग बढ़ी है। इसका आशय यह है कि इन क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। विशेष रूप से टेलीकॉम, पेट्रोलियम, केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, जेम्स एवं ज्वेलरी एवं पावर एवं रोड सहित इनफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में बड़ी राशि के ऋणों का वितरण किया गया है। केंद्र द्वारा हाल में लागू की गई कई नई योजनाओं यथा, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना, राष्ट्रीय मौद्रीकरण योजना एवं निर्यात हेतु प्रोत्साहन योजना आदि एवं हाल ही के समय में लिए गए कई अन्य आर्थिक निर्णयों के कारण ऋणराशि में आकर्षक वृद्धि दर अर्जित की जा सकी है। कोरोना काल में आर्थिक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से अभी तक केंद्र द्वारा पूंजीगत निवेश किया जा रहा था एवं निजी क्षेत्र से पूंजी निवेश लगभग नहीं के बराबर रहा है। परंतु, अब स्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब निजी क्षेत्र द्वारा भी पूंजीगत निवेश को बढ़ाया जा रहा है। पिछले दो वर्षों के दौरान जहां भारत में 10 लाख करोड़ के निवेश किए जाने की घोषणा की जाती रही है वहीं वित्तीय वर्ष 2021-22 के प्रथम 9 माह (अप्रैल-दिसम्बर 2021) के दौरान 12.79 लाख करोड़ के नए निवेश किए जाने की घोषणा की जा चुकी है। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान नए निवेश संबंधी 15 लाख करोड़ की घोषणाएं हो जाएंगी एवं यह राशि पिछले दो वर्षों के दौरान की गई निवेश संबंधी घोषणाओं से 50 प्रतिशत अधिक है। पिछले 9 माह के दौरान जिन क्षेत्रों में नए निवेश किए जाने संबंधी घोषणाएं की गई हैं उनमें शामिल हैं- रोड निर्माण क्षेत्र, सामुदायिक सेवाएं , मकान निर्माण क्षेत्र , स्टील उद्योग क्षेत्र , मशीन निर्माण और पावर उद्योग। निजी क्षेत्र का योगदान भी बढ़कर 70 प्रतिशत हो गया है जो कि एक वर्ष पूर्व तक 50 प्रतिशत तक सीमित था। स्पष्ट है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में पूंजीगत खर्च में निजी निवेश बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान घोषित कुल नए निवेश में देश के 5 राज्यों- गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक एवं उत्तर प्रदेश का हिस्सा 55 प्रतिशत रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था में केंद्र सरकार के साथ निजी क्षेत्र द्वारा भी निवेश बढ़ाए जाने से न केवल अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी बल्कि रोजगार के नए अवसर भी निर्मित होंगे। बैंकों द्वारा प्रदान किए गए नए ऋणों पर औसत ब्याज दर में कमी भी देखने में आई है। अप्रैल 2020 के दौरान देश में प्रदान की गई नई ऋणराशि पर औसत ब्याज दर 8.46 प्रतिशत थी जो नवम्बर 2021 में घटकर 7.98 प्रतिशत हो गई है। इससे उद्योग जगत एवं अन्य हितग्राहियों को ऋण लागत कम होने का सीधा सीधा लाभ मिला है। सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा प्रदान किए गए नए ऋणों पर औसत ब्याज दर अप्रैल 2020 के 8.34 प्रतिशत से घटकर नवम्बर 2021 में 7.32 प्रतिशत हो गई, परंतु निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा प्रदान किए गए नए ऋणों पर औसत ब्याज दर अप्रैल 2020 के 8.91 प्रतिशत से बढ़कर नवंबर 2021 में 8.92 प्रतिशत हो गई। इस प्रकार सरकारी क्षेत्र के बैंकों से ऋण प्राप्त करना तुलनात्मक रूप से कुछ सस्ता रहा है। कुल मिलाकर इसे देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक शुभ संकेत माना जा सकता है एवं इसके चलते समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक देश में लगातार बढ़ रही ऋणराशि की मांग को आसानी से पूरा कर सकने की स्थिति में रहेंगे।

वजन कम करने में लाभकारी है एलोवेरा

त्वचा को सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाने के लिए और तरह-तरह की सेहत संबंधी दिक्कतों को दूर करने के लिए आपने एलोवेरा का इस्तेमाल और सेवन कई बार किया होगा लेकिन क्या कभी आपने वजन कम करने के लिए एलोवेरा का सेवन किया है? अगर किया भी होगा, तो किसी एक तरह से ही इसको खाया या पिया होगा। बता दें कि अगर एलोवेरा ने वजन कम करने में आपका ज्यादा साथ नहीं दिया है तो आप एक नहीं, बल्कि इन दूसरे तरीकों से भी एलोवेरा का सेवन कर सकते हैं। आज हम आपको वजन कम करने के लिए एलोवेरा का सेवन करने के अलग-अलग 5 तरीके बताते हैं। इन तरीकों से एलोवेरा का सेवन करने से आप जल्द ही वजन कम करने में कामयाब हो सकेंगे। तो आइये जानते हैं कि एलोवेरा का सेवन किन 5 तरीकों से किया जा सकता है।

ऐसे ले सकते हैं एलोवेरा

वजन कम करने के लिए आप रोजाना हर बार खाना खाने से लगभग 14 मिनट पहले एक चम्मच एलोवेरा जूस का सेवन करें। ऐसा करने से आपका वजन तेजी से कम होने लगेगा।

सब्जियों के जूस के साथ ले सकते हैं एलोवेरा

एलोवेरा जूस का सेवन आप सब्जियों के जूस में मिलाकर भी कर सकते हैं। इससे भी आपका वजन तेजी से कम होने लगेगा। अगर इसके टेस्ट की वजह से आप एलोवेरा जूस आसानी से न पी पाते हों, तो इस तरह से इसको पीना भी आसान हो जायेगा।

गर्म पानी के साथ मिलाकर ले सकते हैं एलोवेरा

आप रोज सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच एलोवेरा जूस मिक्स करके भी इसका सेवन कर सकते हैं। ये तरीका भी वजन को कम करने में बेहतर तरीके से काम करेगा।

नींबू के साथ ले सकते हैं एलोवेरा

जल्दी और बेहतर रिजल्ट्स के लिए आप एलोवेरा जूस में कुछ बूंदें नींबू के रस की भी मिक्स कर सकते हैं। इससे स्वाद भी निखर कर आएगा साथ ही ये वजन कम करने का काम भी जल्दी करेगा।

शहद के साथ मिक्स करके ले सकते हैं एलोवेरा

वजन कम करने के लिए एलोवेरा जूस का सेवन आप शहद में मिक्स करके भी कर सकते हैं। इससे लिए शहद की कुछ बूंदों को एलोवेरा में मिक्स कर लें। इससे जूस का स्वाद भी बेहतर होगा और आपकी बॉडी भी डिटॉक्सीफाई होगी।

हंसना मना है

पति पत्नी से: तुझ में रब दिखता है यारा मैं क्या करूं? पत्नी: नारियल फोड़, प्रसाद चढ़ा, पूजा कर और जो मैं कहूं उसे रब की इच्छा मान लिया कर।

वैलेंटाइन पर लड़के ने लड़की के दिल पर अपना नाम लिखा। दिल बोला: इडियट तुझसे पहले जिनके नाम लिखे हैं उनके तो पहले मिटा।।

पत्नी: तुम्हारे इस नरक में तुम्हारी गुलामी करते-करते मैं तंग आ गई हूं, लगता है पिछले जन्म में मैंने बहुत बुरे कर्म किये होंगे... पति: तो अब तो अच्छे कर लो, मायके जाओ और मेरे घर को स्वर्ग बनाओ।

हसबैंड वाइफ हाथ पकड़े बाजार जा रहे थे। उन्हें देखकर दोस्त बोला, इतने साल बाद भी इतनी मोहब्बत.. हसबैंड बोला, ओ भाई! कैसी मोहब्बत? हाथ छोड़ते ही दुकान में घुस जाती है!

आंटी डॉक्टर के पास गयीं .. आंटी: मेरे घुटने में बहुत दर्द है। डॉक्टर: आपका वजन कितना है ? आंटी: चश्मा लगा के तो 83 किलो है। डॉक्टर: और बिना चश्मे के? आंटी: बिना चश्मे के मुझे दिखता ही नहीं।

पत्नी: अजी सुनते हो, आपका दोस्त एक पागल लड़की से शादी करने जा रहा है, उसे रोकते क्यों नहीं? पति: क्यों रोकूं? उस दोस्त ने मुझे रोका था क्या?

कहानी — होशियार तोता

एक समय की बात है, जंगल में एक तोता रहता था। वह बहुत सुन्दर था। उसकी चोच और पंख बहुत ज्यादा सुन्दर थे। उस तोते के साथ उसका छोटा भाई भी रहता था। वह दोनों जंगल में खुशी खुशी रहते थे। एक दिन एक शिकारी जंगल में आया। उसने तोते की इस जोड़ी को देखा और सोचा कि यह तोते बहुत सुन्दर और खास है। इन तोतो को राजा को भेट करूंगा।' उस शिकारी ने जंगल में अपना जाल बिछाया ताकि वह दोनों तोतो को पकड़ सके। जल्द ही दोनों तोते उस शिकारी की जाल में फस गए। उसने तोतों को अपने पिंजरे में रखा और अपने घर वापस चला गया। उस शिकारी ने राजा से कहा, ओह राजा! देखिये तोतों की इस सुन्दर जोड़ी को। मैंने इन्हें घने जंगल से पकड़ा है। इनकी सुन्दरता देखकर सोचा की मै इन्हें आपको भेट स्वरूप दू। यह आपके महल की खूबसूरती में चार चांद लगा देंगा।'यह सुनकर राजा बहुत खुश हुआ। उसने शिकारी को हजार सिक्के इनाम में दिए। उस राजा ने दोनों तोतो को सोने के पिंजरे में रखा और आपने सेवको को उनकी देखभाल करने का आदेश दिया। तोतो की बहोत अच्छे से देखभाल की जाती थी। उन्हें महल में बहोत महत्वपूर्ण पक्षियों की तरह रखा गया। उन्हें खाने में फल और स्वादिस्ट खाना दिया जाता था। सबकी नजर महल के तोतो पर रहती थी। बल्कि राजकुमार भी उस तोतो के साथ केला ने आता था। तोते बहुत खुश थे। उन्हें सब कुछ बिना मेहनत से मिल रहा था। बड़े तोते ने अपने भाई से कहा, 'हमें इस राजमहल में काफी इज्जत मिली है। इसलिए में पूरी तरह संतुष्ट हूं। छोटे भाई ने जवाब दिया , 'तुम सही कह रहे हो । हमें एकदम राजसी सेवा मिल रही है। यह हमारी किस्मत है। एक दिन शिकारी कला बन्दर लेकर आया और उसने उसका नाम काला बहू रखा। वह बन्दर राजा को भेट किया गया। रजा ने आपने सेवकों को बंदर को आंगन में रखने के लिए कहा। रजा और उनका बीटा यानी छोटा राजकुमार बंदर की हरकतें देखकर बहुत खुश और हैरान हुआ करते थे। जल्द ही बंदर ने सभी को अपनी और आकर्षित कर लिया था। बंदर से आने से तोतो पर अब कोई ध्यान नहीं देता था। कभी कभी तो उन्हें खाना भी कोई देता ही नहीं था। यानी उनपे किसी का ध्यान ही नहीं था। दोनों तोतों को इसका कारण पता था। बड़ा तोता होशियार था और उसे उम्मीद थी की जल्दी उनके दिन बदलेंगे इसलिए इन्हें उदास नहीं होना चाहिए । उसने आपने भाई को सांत्वना दी, 'इस दुनिया में कोई चीज हमेशा के लिए नहीं होती। जब तक हमारे बुरे दिन खत्म नहीं होते तब तक धीरज रखो।' एक दिन बंदर राजकुमार के आगे कुछ पेश कर रहा था और उससे राजकुमार डर गया और वो चिल्लाया, 'मेरी मदद करो, 'मेरी मदद करो। राजकुमार की आवाज सुनकर सभी उसके पास आ गए और वहा से राजकुमार को ले गए। जब राजा को इसका पता चला तो उसने अपने सेवको को आदेश दिया कि वह बंदर को जंगल में छोड़ आये। तुरंत ही सैनिकों बंदर को पकड़कर जंगल में छोड़ आये। अब तोतो के बुरे दिन खत्म हो गए थे। उनकी फिर से खातिरदारी होने लगी। उनके लिए अच्छे और स्वादिस्ट पकवान बनाये जाते थे। वह फिर से सभी के आंख के तारे बन गए। होशियार तोते ने आपने भाई को समझाया कि समय हंमेशा एक जैसा ही रहता इसलिए अगर हमारे साथ कुछ समय के लिए कुछ गलत हो रहा है तो उससे हमें घबराना नहीं चाहिए। छोटे तोते को महसूस हुआ की इस दुनिया में कोई भी चीज एक जैसी नहीं रहती इसलिए हर किसी को धीरज रखना चाहिए।

सीख- इस दुनिया में कोई भी चीज एक जैसी नहीं रहती, इसलिए हर किसी को हर काम में धीरज रखना चाहिए।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — खुशी के दिन को और कार्यक्षेत्र की सफलता को लव पार्टनर के साथ सेलीब्रेट करेंगे। जीवन साथी अपने स्वार्थ के बारे में ज्यादा सोचेगा। पति पत्नी को मिल-जुल कर चलना है।

वृषभ — आज आप आकर्षक और सुन्दर लगेंगे। लव पार्टनर से आपकी जो उम्मीदें थी वह पूरी होंगी। किसी भी प्रकार के वहम से दूर रहें। जीवन साथी पर विश्वास करें।

मिथुन — आज आपका केन्डल लाईट डिनर का मूड बन सकता है। लवर गिफ्ट या रिंग देकर सरप्राईज कर देगा। कुछ लोगों को संतान की तरफ से खुशी प्राप्त होगी।

कर्क — लव लाईफ के लिए आज का दिन बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। प्रेमी से अपनी भावनाएं न छुपाएं हो सकता है कि आपका लवर शक करे इसलिए स्थिति को समझें।

सिंह — आपके प्रेमी का झुकाव आज आपकी तरफ रहेगा। बात बात में बात बिगड़ सकती है जिसे लेकर बाद में आपको पछतावा हो सकता है।

कन्या — आज अपने लव रिलेशन को लेकर अपसेट रहेंगे। लव पार्टनर का व्यवहार आपको हैरान कर सकता है। समय रहते प्रेमी से प्यार का इजहार कर दें और हो सकता है।

तुला — अपने फ्रेन्डस के बीच लोकप्रिय होंगे। आपके नम्र स्वभाव के कारण ससुराल के लोग प्रभावित होंगे। हर बात में जीवन साथी की आलोचना करने से बचें।

वृश्चिक — शादी के इच्छुक जातकों के लिये आज का दिन खुशियां लाएगा। शादी की तारीख मिल सकती है। होने वाले जीवनसाथी के साथ डेट पर जा सकते हैं।

धनु — अपने लव रिलेशन में उत्पन्न खामियों को दूर करें। प्रेमी से बात करें वरना मूड अपसेट रहेगा। ऐसा हो सकता है कि लवर से फोन पर बात न हो पाएं।

मकर — आज आपका लवर आपके प्यार में मतवाला है इसलिए आपको उसके साथ समय व्यतीत करना चाहिए और उसे इम्प्रेस करें। आज का दिन अच्छा रहेगा।

कुम्भ — प्रेमी कोई सरप्राइज दे सकता है. कोई ऐसी खबर मिलेगी जिसका आपको लम्बे समय से इंतजार था। लव रिलेशन को सभालनें में आपके प्रयास सफल होंगे।

मीन — आज किसी से मिलने का संयोग बन रहा है और वह व्यक्ति आपको प्रभावित भी कर सकता है। दिल में लव रिलेशन को लेकर उलझनें रहेंगी।

बालीवुड | मन की बात

मनोज बाजपेयी का संघर्ष बयां करती किताब, कुछ पाने की जिद

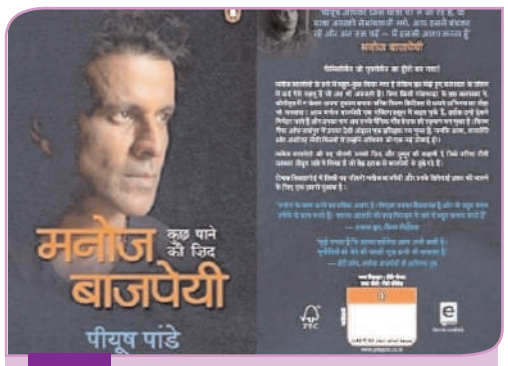

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे शानदार अभिनेताओं में शुमार किए जाने वाले मनोज बाजपेयी के संघर्ष पर लिखी किताब बाजार में आने वाली है। मनोज बाजपेयी- कुछ पाने की जिद शीर्षक वाली इस किताब की अमेजॉन पर प्री बुकिंग शुरू हो चुकी ह। 20 तारीख को ये किताब लॉन्च होगी। मनोज बाजपेयी की यह जीवनी वरिष्ठ टीवी पत्रकार पीयूष पांडे ने लिखी है जो उनसे एक दशक से ज्यादा से जुड़े रहे हैं और ऐसी घटनाओं और किस्सों के गवाह हैं जिन्हें बहुत कम लोग जानते हैं। दरअसल, मनोज बाजपेयी नए जमाने के गिनेचुने कलाकारों में से हैं जिन्होंने कम उम्र में ही हिंदी सिनेमा में एक बड़ा कद हासिल कर लिया था। दिग्गज कलाकार और फिल्म समीक्षक उनके अभिनय का लोहा मानते हैं। दर्शक उनके नाम पर थियेटर जाते हैं और वे जानते हैं कि बाजपेयी सिर्फ अपने मन की फिल्में करते है। मनोज बाजपेयी की यह जीवनी अभिनय को लेकर उनके जिद और जुनून की कहानी है जिसमें पाठकों को कई नई बातें पता लगेंगी। मसलन-बाजपेयी के पिता भी पुणे के फिल्म इंस्टिट्यूट में ऑडिशन देने गए थ। उनके पूर्वज अंग्रेजी राज के एक दमनकारी किसान कानून की वजह से उत्तर प्रदेश के रायबरेली से चंपारण आए थ। ये भी पता लगेगा कि मनोज बाजपेयी का बचपन उस गांव में बीता है, जहां महात्मा गांधी ने अपने प्रसिद्ध चंपारण सत्याग्रह दौरान एक रात्रि विश्राम किया था और फिल्म सत्या के भीखू म्हात्रे का चरित्र मनोज के गृहनगर बेतिया के एक शख्स से प्रेरित था, वगैरह-वगैरह। मनोज बाजपेयी और उनके सिनेमाई सफर को जानने के लिए इसे एक बेहतर किताब कहा जा रहा ह। मनोज बाजपेयी 1998 में सत्या फिल्म की वजह से पूरे देश में मशहूर हुए थे। इसके अलावा शूल, अक्स, पिंजर और गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्मों से बाजपेयी ने अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया।

स्मृति शेष: पंडित बिरजू महाराज के कथक की दुनिया दीवानी

प्रसिद्ध कथक नर्तक पंडित बिरजू महाराज का हार्ट अटैक की वजह से निधन हो गया है। पद्म विभूषण से सम्मानित 83 वर्षीय बिरजू महाराज ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात में अंतिम सांस ली। उनके पोते स्वरांश मिश्रा ने यह जानकारी दी। बिरजू महाराज के निधन की खबर से संगीत प्रेमियों में शोक की लहर छा गई। पंडित बिरजू महाराज ने न सिर्फ भारत में बल्कि पूरे विश्व में कथक को एक नई पहचान दिलाई। साथ ही कुछ बॉलीवुड फिल्मों में कोरियोग्राफी कर उन्हें एक नया रंग दिया है। बिरजू महाराज कथक के पर्याय थे। बिरजू महाराज लखनऊ घराने के अच्छन महाराज के घर जन्मे थे। उन्होंने अपने चाचा लच्छू महाराज और शंभू महाराज से कथक सीखा था। बिरजू महाराज ने सबसे पहले सत्यजीत रे की फिल्म शतरंज के खिलाड़ी में दो डांस नंबर की कोरियोग्राफी करने के साथ ही उन्हें अपनी आवाज भी दी थी। संजय लीला भंसाली की फिल्म देवदास का गाना काहे छेड़ मोहे... को बिरजू महाराज ने कोरियोग्राफ किया था। इस गाने के लिए माधुरी दीक्षित ने भारी भरकम लहंगा पहन कर डांस किया था। माधुरी हमेशा ही उनकी पंसदीदा नृत्यांगना रही हैं। उनका मानना था कि माधुरी भी मीना कुमारी और वहीदा रहमान जैसी ही बेहतरीन डांसर हैं। फिल्म बाजीराव मस्तानी के गाने मोहे रंग दो लाल में दीपिका पादुकोण ने पंडित बिरजू महाराज का सिखाया कथक ही किया था। दीपिका ने एक इंटरव्यू में बताया था कि इसे शूट करते वक्त वो रो पड़ी थीं क्योंकि उनसे ठीक से डांस हो नहीं पा रहा था।

माधुरी दीक्षित, दीपिका पादुकोण को दी थी ट्रेनिंग

जबकि उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि कैटरीना कैफ को डांस करना नहीं आता, वो जो करती हैं उसे हिलना कहते हैं। बिरजू महाराज ने सबसे ज्यादा माधिरी दीक्षित के गानों की कोरियोग्राफी की है। गायक मालिनी अवस्थी और अदनान सामी ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। बिरजू महराज के निधन से यूपी में भी शोक की लहर है।

ब्रेकअप की अफवाहों के बाद पहली बार साथ नजर आए मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर

भोजपुरी | गपशप

इस हफ्ते की शुरुआत में अफवाहें चल रही थीं कि बॉलीवुड पावर कपल अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा का ब्रेकअप हो गया है। अफवाहों के सामने आने के बाद, अब दोनों पहली बार एक साथ मुंबई के बास्टियन वर्लिक में स्पॉट किए गए। हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें कहा गया था कि मलाइका छह दिनों से अधिक समय तक अपने घर से बाहर नहीं निकलीं और अर्जुन एक बार भी उनसे मिलने नहीं गए हालांकि इन अफवाहों के बाद अर्जुन कपूर ने अपनें इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर इन अफवाहों पर विराम लगा दिया था। अर्जुन ने अपने इस पोस्ट में लिखा था, 'अफवाहों के लिए कोई जगह नहीं है। सुरक्षित रहें। खुश रहें। लोगों को शुभकामनाएं। सभी को प्यार।' वहीं, उनके बाद मलाइका ने भी अपने पोस्ट में लिखा था, 40 की उम्र में प्यार मिलने को सामान्य तरीके से लें। 30 की उम्र के बाद नए सपनों को खोजना और उन्हें पूरा करना, सामान्य बात है। खुद को और अपने लक्ष्यों को 50 की उम्र के बाद भी खोजना सामान्य है। लाइफ 25 की उम्र में खत्म नहीं हो जाती। एक्टिंग करना बंद कर दें इन सारी चीजों के बीच अब दोनों एक साथ स्पॉट किए गए, जिनकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में एक्ट्रेस को ब्लैक बूट्स के साथ डीप नेक, व्हाइट ड्रेस में देखा जा सकता है, वहीं अर्जुन स्काई कलर के स्वेटशर्ट पहने नजर आए। फोटोज में कई जगह मलाइका और अर्जुन आपस में बात भी करते नजर आ रहे हैं। बता दें, अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा 4 साल से ज्यादा समय से डेटिंग कर रहे हैं। फैंस उनकी केमिस्ट्री को बहुत पसंद भी करते हैं।

अजब-गजब | क्यों निभाई जाती है ये अनोखी परंपरा

मृतक का अंतिम संस्कार करने के बाद राख का सूप बनाकर पीते हैं यहां के लोग

पूरी दुनिया के लोग अलग-अलग तरह की परंपराओं का पालन करते हैं। ये परंपराएं सदियों से चली आ रही है और लोग इन्हीं परंपराओं को आप भी मान रहे हैं। आज हम आपको एक ऐसी जनजाति और उसकी परंपराओं के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके बारे में शायद ही आपने कभी पढ़ा या सुना होगा। क्योंकि इस जनजाति के लोग अपने परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने पर उसके शव का अंतिम संस्कार करने के बाद उसकी राख का सूप बनाकर पीते हैं। इस परंपरा का पालन वह सदियों से करते आ रहे हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं दक्षिण अमेरिका की एक जनजाति के बारे में जिसका नाम यानोमानी है।

यानोमानी जनजाति के बारे में कहा जाता है कि इसे मानने वाले लोग अपने परिवार के मृतक लोगों का मांस भी खा जाते हैं। तो चलिए जानते हैं कि इस जनजाति के लिए ऐसा क्यों करते हैं। बता दें कि दक्षिण अमेरिका में यानोमानी जनजाति रहती है। दुनिया में लोग इस जनजाति को यानम या सेनेमा के नाम से भी जाना जाता है। दक्षिण अमेरिका के अलावा यह जनजाति दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला और ब्राजील के कुछ इलाकों में भी पाई जाती है। इस आदिवासी जनजाति की सभ्यता पश्चिमी सभ्यता से बिल्कुल अलग है। क्योंकि इस जनजाति के लोगों की अपनी संस्कृति और परंपराएं हैं जो अमेरिका से अलग हैं। इस जनजाति में अंतिम संस्कार करने की अजीबोगरीब परपंरा है। इस परंपरा को एंडोकैनिबेलिज्म कहा जाता है। इस परंपरा का पालन करने के लिए इस जनजाति के लोग अपने परिवार के मृतक शख्स का मांस खाते हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि इस जनजाति में किसी शख्स की मौत होने पर उसके शव को पत्तों और दूसरी चीजों से ढक कर रख दिया जाता है। इसके बाद जो शरीर बच जाता है उसे जला दिया जाता है। इसके बाद उसकी बची राख का सूप बनाकर पिया जाता है। यानोमामी जनजाति के लोग शव के साथ ऐसा इसलिए करते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि किसी की मौत के बाद उसकी आत्मा की रक्षा करनी चाहिए। इस जनजाति में परंपरा है कि किसी की आत्मा को शांति तभी मिलती है, जब उसके शरीर को रिश्तेदार मिलकर खाते हैं। इसीलिए इस जनजाति के लोग अंतिम संस्कार के बाद राख को भी किसी ना किसी तरीके खाते हैं। वह मानते हैं कि ऐसा करने से मरे हुए व्यक्ति की आत्मा को शांति मिलती है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर किसी शख्स की हत्या किसी दुश्मन या रिश्तेदार कर देता है, तो उनका अंतिम संस्कार अलग तरीके से किया जाता है तो उसके शरीर की राख से बने सूप को सिर्फ महिलाएं ही पीती हैं।

धरती पर सबसे ज्यादा समय तक जीवित रहता है ये जीव

धरती पर इंसानों के अलावा जीव-जंतु भी रहते हैं। यहां अलग-अलग प्रजाति के जीव पाए जाते हैं। कुछ समुद्र की गहराइयों में रहते है, कुछ धरती पर और कुछ अनंत आसमान में उड़ते हैं। हर जीव की अपनी एक खासियत होती है। रंग, आकार, गुण और खान-पान ही हर जीव को एक दूसरे से अलग करता है। ऐसे ही हर जीव का जीवन काल अलग-अलग होता है। कोई सैकड़ों साल तो कोई कुछ साल जीता है। इसी कड़ी में आज हम बताएंगे एक ऐसे ही जानवर के बारे में जो अपने लंबे जीवन के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये इतना लंबा जीवन जीता है कि ये सभी जानवरों को पीछे छोड़ देता है। स्वभाव से शांत रहने वाला ये जानवर समुद्र की गहराइयों में और जमीन पर भी पाया जाता है। दुनिया में सबसे लंबा जीवन जीने वाला जानवर कछुआ है। जी हां! कछुआ एक ऐसा जीव है जो किसी भी जानवर से लंबा जीवन जीता है। इस जानवर की औसत आयु 150 से 200 साल तक होती है। क्या आप दुनिया के सबसे बूढ़े कछुए के बारे में जानते हैं? आज जिस कछुए के बारे में बात करने जा रहे हैं उसकी उम्र इतनी ज्यादा है कि वैज्ञानिक भी उसकी उम्र को लेकर असमंजस में हैं। इस कछुए का नाम जोनाथन है और इसे दुनिया का सबसे बुजुर्ग प्राणी का खिताब मिला हुआ है। ये कछुआ दक्षिण अटलांटिक महासागर के सेंट हेलेना आइलैंड में पाया जाता है। ये अपनी उम्र को लेकर पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जोनाथन का जन्म 1832 में हुआ था। ऐसे में साल 2022 में इसकी उम्र 190 साल हो चुकी है। साल 1882 में जोनाथन जब 50 साल का था तब उसे सेंट हेलेना लाया गया था। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जोनाथन के नाम सबसे उम्रदराज जानवर का रिकॉर्ड दर्ज है। ये कछुआ शाकाहारी है और इसे खाने में पत्ता गोभी, खीरा,गाजर, सेब, केला और मौसमी फलों को खाना पसंद है। इसे सर्दियों में धूप सेंकना और गर्मी में छांव में रहना पसंद है। हालांकि, बढ़ती उम्र का असर इसपर भी दिखाई देने लगा है। इसकी नजर कमजोर हो चुकी है और सूंघने की भी शक्ति कम हो गई है। जानकारों का कहना है कि जैसा अभी उसका स्वास्थ्य है। उससे ऐसा लगता है कि ये अभी और लंबा जीवन जीएगा।

कांग्रेस को कोई हरा नहीं सकता वह खुद को हरा देती है : सिद्धू

» कार्यकर्ताओं से एकजुट होने की अपील, लोगों को रोजगार देने का वादा

» सरकार बनने पर पंजाब में खोले जाएंगे कौशल विकास केंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस को कोई नहीं हरा सकता। कांग्रेस खुद अपने को हरा देती है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पंजाब के लिए एक होने की अपील की और कहा कि वे अगले दो दिनों में पंजाब मॉडल के दूसरे हिस्से का खुलासा करेंगे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की सरकार बनने पर पांच लाख लोगों को शहरी रोजगार गारंटी मिशन के तहत रोजगार देंगे।

उन्होंने आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवासी पक्षी और राजनीतिक पर्यटक बताया। सिद्धू ने कहा कि वे पहले अपनी दिल्ली तो संभाल लें। कांग्रेस के सत्ता में आने पर ई-गवर्नेंस सिस्टम लागू कर प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाया जाएगा। अभी तो तहसील थाने या निगम के दफ्तर में लोगों को सर्टिफिकेट हासिल करने में धक्के खाने पड़ते हैं। सरकार बनने पर ई-पोर्टल लागू किया जाएगा और इस

संबंध में राहुल गांधी से उनकी बात हो चुकी है। जरूरतमंद महिलाओं को दो हजार रुपये प्रति माह और आठ सिलिंडर दिए जाएंगे। लड़कियों के 5वीं पास करने पर पांच हजार रुपये, 8वीं पास करने पर 10 हजार रुपये और 10वीं पास करने पर 15 हजार रुपये और टेबलेट दिया जाएगा। सिद्धू ने कहा कि पंजाब में 23 कौशल विकास केंद्र खोले जाएंगे। जहां से कोर्स करने के बाद उम्मीदवार को दो लाख रुपये से लेकर 16 लाख रुपये तक ब्याज मुक्त कर्ज दिया जाएगा। उन्होंने जनता से कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील की।

मौलाना तौकीर रजा कांग्रेस में शामिल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 के विधान सभा चुनाव को लेकर इन दिनों कांग्रेस अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश में जुटी है। सूबे के सियासी समीकरणों को ध्यान में रखते हुए पिछड़ों और दलितों के साथ कांग्रेस अब अल्पसंख्यकों को साधने के लिये भी हरसंभव प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में सोमवार को इत्तेहाद-उल-मिल्लत काउंसिल के मुखिया मौलाना तौकीर रजा ने कांग्रेस को खुला समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। साथ ही उन्होंने सूबे की सत्ताधारी बीजेपी सरकार के साथ सपा पर निशाना साधा है। रजा बरेली से ताल्लुक रखते हैं। उनका कहना है कि अब मेरा मकसद कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करना है। मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ खड़ा रहूंगा। कांग्रेस में शामिल होते हुए रजा के तेवर हमलावर हो गए। उन्होंने सपा और भाजपा को लेकर जमकर बयानबाजी की।

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, साथी फरार

» विभिन्न थानों में 40 आपराधिक मुकदमे हैं दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। रोहनिया थाना क्षेत्र के अखरी बाईपास स्थित चंद्रिका विहार कॉलोनी के पास सोमवार देर शाम मुठभेड़ में पुलिस ने एक लुटेरे को गिरफ्तार किया। उसके पास से 315 बोर का तमंचा और कारतूस, चोरी की बाइक बरामद हुई। वहीं बाइक पर पीछे बैठा बदमाश भाग निकला। पुलिस के अनुसार बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग भी की। गिरफ्तार बदमाश के खिलाफ वाराणसी के विभिन्न थानों में 40 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस को इसकी पिछले डेढ़ साल से तलाश थी।

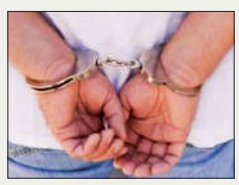

रोहनिया पुलिस को सूचना मिली कि अखरी बाईपास तिराहे के पास चंद्रिका विहार कॉलोनी में कुछ बाइक सवार बदमाश किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में हैं। इस पर अखरी चौकी इंचार्ज मनोज तिवारी पुलिस के साथ घेराबंदी करते हुए चेकिंग शुरू कर दी। तिराहे से लगभग एक किमी दूर कालोनी के मोड़ पर पुलिस को बाइक सवार दो बदमाश आते हुए दिखाई दिए तो रोकने का इशारा किया। इस पर पीछे बैठे बदमाश ने एक वाहन के पीछे ओट लेकर पुलिस फोर्स पर फायर झोंक दिया। इसके बाद चारों तरफ से पुलिस ने घेराबंदी करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। इस दौरान अंधेरे का लाभ उठाकर एक बदमाश भाग निकला। रोहनिया पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान सामने आया कि यह रोहनिया थाना अंतर्गत बेटावर निवासी सुदीप उर्फ संदीप उर्फ गोलू यादव है, जो थाने का हिस्ट्रीशीटर और इसके ऊपर वाराणसी के विभिन्न थानों में 40 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

कोविड प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर भूपेश पर एफआईआर

» नोएडा में पंखुड़ी पाठक के लिए प्रचार करने पहुंचे थे छत्तीसगढ़ के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ आदर्श आचार संहिता और कोविड प्रोटोकॉल के उल्लंघन करने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। बघेल रविवार को नोएडा के कई गांवों व सेक्टरों में कांग्रेस प्रत्याशी पंखुड़ी पाठक के समर्थन में डोर-टू-डोर प्रचार कर रहे थे। नोएडा विधान सभा क्षेत्र के रिटर्निंग अफसर की शिकायत पर कोतवाली सेक्टर-113 में बघेल को नामजद करते हुए पांच से अधिक अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई गई है।

पुलिस के अनुसार, पंखुड़ी पाठक के समर्थन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चुनाव प्रचार करने आए थे। वह

कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में डोर-टू-डोर प्रचार कर रहे थे। इसी क्रम में वह सोरखा सहित अन्य गांवों व सेक्टरों में गए थे। नोएडा विधान सभा के रिटर्निंग अफसर ने कोतवाली सेक्टर-113 पुलिस से शिकायत की है कि जनपद में आदर्श आचार संहिता लागू है, लेकिन बघेल कई स्थानों पर पांच व्यक्तियों से अधिक के साथ घर-घर जाकर कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में वोट मांग रहे थे। यह कोविड व आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है।

लखनऊ में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, चौबीस घंटे में सीएमओ समेत 2716 संक्रमित

» अलीगंज, आलमबाग और चिनहट में सबसे अधिक फैला संक्रमण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब राजधानी लखनऊ में भी कोरोना ने रफ्तार पकड़ ली है। यहां सोमवार को 2716 नए संक्रमित मिले हैं। लखनऊ सीएमओ डा. मनोज अग्रवाल के साथ कार्यालय के 10 अन्य कर्मचारी भी संक्रमण की जद में आ गए हैं। इसके साथ शहर में 17658 सक्रिय मरीज हो गए हैं। सबसे अधिक मरीज अलीगंज, चिनहट और आलमबाग में संक्रमित पाए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से अलीगंज, चिनहट, आलमबाग, कैसरबाग, इंदिरानगर जैसे इलाकों को संवेदनशील इलाकों की सूची में रखा गया है। बीते एक सप्ताह में इन क्षेत्रों में लगभग आठ हजार से ज्यादा

संक्रमित मिल चुके है। राजधानी में सबसे अधिक मामले कांटैक्ट ट्रेसिंग में मिले हैं। मरीजों के संपर्क में आए 1013 व्यक्ति संक्रमित पाए गए हैं। वहीं हल्के लक्षण आने पर लोग कोरोना जांच करवा रहे हैं। जिसमें 377 लोगों की रिपोर्ट पाजिटिव आई है। विदेशों से यात्रा कर लौटे 202 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसके अलावा विभिन्न अस्पतालों में 66 स्वास्थ्य कर्मियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। कमांड अस्पताल में 26 पैरामेडिकल स्टाफ संक्रमित हुए हैं।

यूपी चुनाव में आयुष विभाग भी संभालेगा मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना महामारी में पूरी दुनिया ने न सिर्फ भारतीय प्राचीन चिकित्सा पद्धति को पहचान दिलाई बल्कि विश्व में एक अलग मुकाम हासिल किया। प्रांतीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ ने कोरोना से बचाव में आयुर्वेदिक दवाओं पर डॉक्टरों के अनुभव विषय पर वर्चुअल संगोष्ठी का आयोजन किया। राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय लखनऊ के प्रधानाचार्य डा. प्रकाश चंद्र सक्सेना और मेडिकल अफसर डा. धर्मेंद्र ने कहा कि उत्तर प्रदेश आयुर्वेद विभाग आयु रक्षा किट, आयुष काढ़ा, आयुष 64 जैसी महत्वपूर्ण दवाएं वितरित कर रहा है। यह आगामी चुनाव में ड्यूटी करने वाले फ्रंट लाइन वर्कर को भी दिये जाएंगे। प्रो. तनुजा नेसरी ने बताया कि इस पूरी महामारी के दौरान आयुष विभाग और अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने कोरोना वायरस के प्रभाव को कम करने के लिए तमाम प्रयास किए।

फ्रंट लाइन वर्कर को उपलब्ध कराएगा दवा

सिराथू: भाजपा का जन संपर्क अभियान तेज, गांवों में पहुंची टीम

» डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सिराथू से हैं प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिराथू। विधान सभा सिराथू के डेढ़ दर्जन से अधिक गांव में भाजपा की जिला इकाई ने जन-संपर्क किया। सोमवार को अभियान के तहत रामसहायपुर शाखा सहित डेढ़ दर्जन गांव में लाभार्थियों के बीच पहुंचे। प्रभारी भाजपा नेताओं ने गांव के आवास, उज्जवला एवं अन्य योजनाओं के लाभार्थियों से मिलकर उनके माथे पर तिलक लगाया। साथ ही भाजपा सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। पार्टी नेताओं ने इस दौरान जनता से दोबारा भाजपा की सरकार बनाने की अपील की। जिला अध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने कहा कि ग्रामीणों ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के यहां से चुनाव मैदान में उतरने पर खुशी का इजहार किया है। उन्होंने कहा कि कौशांबी और सिराथू का जितना विकास भाजपा सरकार में हुआ है उतना किसी सरकार में नहीं हुआ। इस मौके पर धर्मराज मौर्य, विधायक शीतला पटेल, अरुण अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

तो शाह ने योगी को फंसा दिया पूर्वांचल में!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव को लेकर प्रदेश का सियासी पारा चरम पर पहुंच चुका है। भाजपा ने भी मोर्चा संभाल लिया है। अब योगी आदित्यनाथ को लेकर कयास चल रहे हैं। योगी और शाह के बीच संवाद बंद है। क्या अमित शाह, योगी को दोबारा सीएम की कुर्सी पर नहीं देखना चाहते है? क्या योगी को पूर्वांचल में फंसाया गया है? ऐसे सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार जयशंकर गुप्ता, अजय शुक्ला, अभिषेक कुमार, पूनम मेहता, सबा नकवी, लेखक सीपी राय, रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

अजय शुक्ला ने कहा, अमित शाह

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

यदि किसी से दुश्मनी लेते है तो उसको निपटा देते हैं। 2017 में उन्होंने सीएम योगी से मुलाकात नहीं की। उन्हें भी 2024 के लोक सभा चुनाव में जाना है इसलिए यूपी को संभालना होगा। लिहाजा शाह-मोदी की टीम अब इनको समझागी। सीपी राय ने कहा, अमित शाह को मोदी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और फिर गृह मंत्री बना दिया गया। उन्होंने सफलता भी प्राप्त हुई। वहीं योगी की लोकप्रियता को मोदी से अधिक बताया जा रहा है। ऐसे में जो भी ऊपर बैठा है वह निश्चित रूप से अपने लिए चुनौती नहीं चाहता है। जयशंकर गुप्ता ने कहा, यदि सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी में भाजपा जीत जाती है तो प्रधानमंत्री के रूप में उनकी

» भाजपा हारी तो योगी पर फोड़ा जाएगा ठीकरा

दावेदारी मजबूत होगी और यदि हार जाती है तो 2024 में भाजपा की दावेदारी कमजोर होगी। सबा नकवी ने कहा, अमित शाह, मोदी के बहुत खास हैं। योगी का व्यवहार ठीक नहीं है। ओबीसी भाजपा को छोड़कर जा रहे हैं। पूनम मेहता ने कहा कि अमित शाह के चाहने से चुनाव आयोग रैलियों पर प्रतिबंध नहीं हटा देगा। यदि ऐसा होगा तो यह भाजपा को भारी पड़ेगा। रविकांत ने कहा, योगी आदित्यनाथ की सीट खुद फंसी हुई है। उन्हें पूर्वांचल में फंसा दिया गया है। अगर यह किला ध्वस्त हो जाता है तो इसका ठीकरा योगी पर फोड़ा जाएगा। अभिषेक कुमार ने कहा भाजपा यदि उत्तर प्रदेश में हारती है तो योगी आदित्यनाथ को दिल्ली लाया जा सकता है।

का बा के बाद यूपी का कचरा साफ करने आया है... यहां भी केजरीवाल का झाड़ू गाना हिट

» आम आदमी पार्टी ने यूपी में चुनाव प्रचार के लिए लांच किया कैंपेन सॉन्ग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में हिन्दी और भोजपुरी में सियासी गानों के माध्यम से मतदाताओं को लुभाने को लेकर राजनीतिक दलों में होड़ मची है। भाजपा, सपा, सुभासपा और निषाद पार्टी के बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) भी सियासी गानों का हिस्सा बन गई है। आप पार्टी ने भी सा बा, का बा की तर्ज पर झाड़ू पर गीत तैयार कराया है।

प्रदेश प्रभारी व सांसद संजय सिंह ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में इस 'कैंपेन सॉग' को लांच किया। इस गाने की बोल है यूपी का कचरा साफ करने आया है, यहां भी केजरीवाल का झाड़ू छाप आया है। इस गाने को आप के बिहार सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष लोकेश सिंह ने तैयार कराया है। बीते 24 घंटे के अंदर ही यह गाना सोशल मीडिया पर हिट हो गया है। बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने इस कैंपेन सांग को लांच करने के बाद कहा कि आजादी के आंदोलन से लेकर परिवर्तन की किसी भी लड़ाई में गीतों का बड़ा रोल रहा है। गीतों के जरिए जनता के बीच अपनी बात पहुंचाने का अच्छा तरीका है। उन्होंने कहा कि इस गीत को आप भी जनता तक अपना संदेश पहुंचाने के लिए इस्तेमाल करेगी। इस गीत में पार्टी के सभी मुद्दों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि इस गाने को घर-घर पहुंचाने के लिए हर विधानसभा में 20-20 टीमें बनाई गई हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर समेत अन्य सोशल मीडिया माध्यमों से इस गाने को प्रदेश के सभी लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

दो और भोजपुरी गीत हो रहे तैयार

आप के बिहार सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष लोकेश ने बताया कि इसके अलावा भी पार्टी द्वारा दो और भोजपुरी गीत तैयार कराया जा रहा है, जो जल्द ही लांच किया जाएगा। एक गीत के बोल हैं। सारा सिस्टम में आ जाई सुधार, जब बनी आम आदमी की सरकार। जबकि दूसरे हिन्दी गाने का बोल है, सुबह सबेरे घर से निकलकर लाइन में लग जाएंगे, झांसे में नहीं आएंगे और आप पर बटन दबाएंगे। इस मौके पर संजय ने कहा कि भाजपा ने चुनाव के समय नफरत फैलाने का ठेका ले रखा है, इसलिए इन लोगों से जनता को सावधान रहना चाहिए। ये समाज को तोड़ने वाले लोग हैं। इनकी सरकार में अपराधियों का साथ अपराध का विकास हो रहा है।

यूपी चुनाव को ध्यान में रखते हुए भाजपा विधायक ने 40 बेटियों को बांटी स्कूटी

» विधायक संजय कुमार गुप्ता ने सरेआम किया आचार संहिता का उल्लंघन, चुनाव आयोग ने साधी चुप्पी

अमित कुमार श्रीवास्तव

प्रयागराज। प्रदेश के कौशांबी जिले में आचार संहिता के उल्लंघन का मामला सामने आया है। कौशांबी जिले के चायल विधानसभा से भाजपा के विधायक संजय कुमार गुप्ता ने 16 जनवरी को खुलेआम आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए अपने स्कूल में तीन दर्जन से अधिक बेटियों करीब 40 बेटियों को स्कूटी बांटी।

यही नहीं, उस कार्यक्रम में भाजपा विधायक संजय कुमार गुप्ता ने अपने स्कूल पर मेरी बेटी मेरा अभिमान कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने यूपी चुनाव को ध्यान में रखते हुए आचार संहिता का उल्लंघन किया। वहीं कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची भाजपा की जिलाध्यक्ष ने लोगों से भाजपा की सरकार बनाने का आह्वान किया। आचार संहिता के साथ-साथ कोविड गाइड लाइन की भी धज्जियां उड़ाई गई। इस मामले में जब विधायक से संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन उठाना ही उचित नहीं समझा। इसके अलावा इस पूरे मामले में जिला निर्वाचन अधिकारी ने भी चुप्पी साध रखी है। भाजपा की शह पर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

चुनावी महासमर पूरी तरह वर्चुअल प्लेटफार्म पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बैनर पोस्टल लगे वाहनों के काफिले नहीं, मैदान पर हजारों लाखों की संख्या में पार्टी समर्थकों की भीड़ नहीं। समर्थकों के बलबूते कोई शक्ति प्रदर्शन नहीं। इस बार चुनावी महासमर पूरी तरह वर्चुअल प्लेटफार्म पर है।

चुनाव को लेकर आयोग की ओर से शारीरिक रूप से मौजूदगी वाली कोई जनसभा, पदयात्रा, साइकिल रैली, बाइक रैली रोड शो पर पाबंदी लगाने के बाद से जीत के लिए पार्टियों ने सोशल मीडिया पर अपनी ताकत झोंकनी शुरू कर दी है। पार्टी, नेता और समर्थक सभी फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और वाट्सएप पर सक्रिय हैं। सभी अपने अपने जतन से जनमानस को प्रभावित करने वाले पोस्ट साझा कर रहे हैं, तो वहीं समर्थक उनकी पोस्ट को लाइक और कमेंट कर अपना समर्थन दे रहे हैं। पार्टी और उम्मीदवारों ने अपने अपने स्तर पर कंटेंट राइटर कर रखे हैं, ताकि अधिक से अधिक जनता को प्रभावित किया जा सके।

» यूपी चुनाव में सेनापति की भूमिका में हैं सोशल मीडिया

बिना अनुमति निकाली रैली, पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा सहित कई पर मुकदमा

» कोविड प्रोटोकॉल के उल्लंघन का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा सरकार में मंत्री रहे अभिषेक मिश्रा ने बिना अनुमति बाइक रैली निकाली। इस दौरान कोविड प्रोटोकॉल का खुला उल्लंघन किया गया। वहीं निर्वाचन आयोग ने पूरे प्रदेश में धारा 144 लागू कर रखा है। इसे भी सपा नेता ने दरकिनार कर दिया। बाइक रैली की लाइव वीडियो इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट कर दी। वीडियो की जानकारी होते ही हसनगंज थाने में सपा के पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा सहित 6 नामजद व 12 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

एडीसीपी उत्तरी प्राची सिंह के मुताबिक रविवार रात पुलिस को इंस्टाग्राम पर दो विडियो मिले। इस वीडियो में कुछ लोग समाजवादी पार्टी के नेता के पक्ष में बाइक रैली निकालते हुए दिखे। वीडियो को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने जांच कराई तो पता चला कि एक वीडियो चौराहा नंबर 9 से निरालानगर, डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग के बीच का है। जबकि दूसरा विडियो सीतापुर रोड से पक्के पुल का है। वीडियो की पडताल में पता चला कि इस बाइक रैली में सपा के पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्र भी शामिल हुए थे। रैली का लाइव वीडियो इंस्टाग्राम के प्रयोगकर्ता रजी हसन ने पोस्ट किया था। वीडियो मे कुछ लोगों की पहचान की गई। जिसमें राघवेंद्र बाजपेई, वैभव मिश्र, तनवीर अली, वैभव बाजपेई के रूप में की गई। आरोप यह भी है रैली में शामिल हुए लोगों ने मॉस्क और सोशल डिस्टेंसिंग सहित कोविड प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया था।

फिर मिला ब्लैक फंगस कानपुर में रोगी भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना संक्रमित ब्लैक फंगस का पहला रोगी कल कानपुर के हैलट अस्पताल में भर्ती हुआ है। उसकी एक आंख और नाक में संक्रमण फैला हुआ है। कोरोना की तीसरी लहर में संक्रमण के साथ ब्लैक फंगस का यह पहला रोगी है। वैसे ब्लैक फंगस के इक्का-दुक्का रोगी पूरे साल अस्पताल में आया करते हैं। वर्तमान में कोरोना संक्रमित छह रोगी हैलट और दो कांशीराम में भर्ती हैं। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि 45 वर्षीय रोगी कैंट क्षेत्र का रहने वाला है। उसे डायबिटीज भी है। रोगी की आंख में तकलीफ है। जांच में यह कोरोना संक्रमित मिला है। माना जा रहा है कि डायबिटीज की वजह से उसे ब्लैक फंगस जल्दी हो गया। रोगी को ब्लैक फंगस वार्ड में भर्ती करके इलाज शुरू कर दिया गया है। अभी हैलट में कोरोना संक्रमित कोई भी मरीज वेंटिलेटर पर नहीं है। दो रोगियों को ऑक्सीजन पर रखा गया है। एक रोगी को हेपेटाइटिस है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।